राँची विश्वविद्यालय, राँची

f=&o"khl; Lukrd fgnh ifr"Bk ikB;Øe

fgUnh foHkkx

2017

:fp vk/kkfjr lk[k i)fr

choice Based Credit System

(CBCS)

Mk0 tx cgknqj ik.Ms;

v/;{k fgUnh foHkkx

jkph fo'ofo|ky;] jkphA

Ranchi University

ikB;Øe dk mnns'; %&

1- हिन्दी भाषा एवं साहित्य के सम्यक जानकारी प्राप्त करना।

2. हिन्दी भाषा एवं साहित्य के अतीत, वर्तमान एवं भविष्य की परख करना।

3. चिंतन के क्षितिज का विस्तार करना।

4. भाषिक समृद्धि एवं अभिव्यक्ति–कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करना।

5. आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास करना।

6. रचनात्मक शक्ति एवं लेखन कला का विकास करना।

Ranchi University

ikB;Øe dk fo"k; e

u fg Kkusu ln'ka ifo=feg fo|rsA

rRLo;a ;kxlafl)% dkysukRefu foUnfrAA

& xhrk 4@38

अर्थात् इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करनेवाला निःसंदेह कुछ भी नहीं है। उस ज्ञान को कितने ही कालस कर्मयोग के द्वारा शुद्धान्तः करण हुआ मनुष्य अपने आप ही आत्मा में पा लेता है।

Kku lnx|.k gS vkj lnx|.k gh Kku gSA

& lqdjkr

>Mh x;h iRrh] u[kanUr >Ms]
i'kqrk dk >Mauk ckdh gSA
Åij&Åij ru lqoj pqdk]
eu vHkh lqojuk ckdh gSA

& fnudj

भाषा का प्रयोग दो रूपों में किया जाता हैं — बोलचाल तथा लिखित रूप में। बोलचाल की भाषा का मतलब दैनिक प्रयोग की भाषा से है। इसमें व्यक्तिगत रचनात्मकता का अभाव होता है। यह सामाजिक रचनात्मकता द्वारा निर्मित होती है। इस कारण इसमें सामाजिक—सांस्कृतिक रिश्तों की प्रगाढ़ता होती हैं लिखित भाषा बोल—चाल की भाषा से थोड़ी भिन्न होती है। मौखिक भाषा जब लिखित रूप में प्रयुक्त होती है तब वह गंभीर हो जाती है, विषय के अनुरूप उसमें परिवर्तन हो जाता है।

लिखित भाषा का प्रयोग केवल साहित्य के लिए ही नहीं होता। कार्यालय, शास्त्र, विज्ञान, कला, संचार, आदि के लिए भी इसका प्रयोग अपेक्षित हे। कार्यालय, विज्ञान, शास्त्र, संचार आदि की भाषा से साहित्य की भाषा भिन्न होती है। साहित्येत्तर विषयों की भाषा ज्यादा वैचारिक, विश्लेषणात्मक तथा सूचनात्मक होती है। इसमें मानवीय संवेदना, मानवीय मूल्यों की दरकार नहीं होती, किन्तु साहित्यिक भाषा में मानवीय संवेदना, मानवीय मूल्यों के साथ—साथ ज्ञान का विशाल भंडार होता है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रधान शिक्षा के इस युग में जहाँ मानवीय संवेदनाएँ मरती जा रही हैं, मानव मूल्य विनष्ट होते जा रहे हैं, वहीं बोलचाल की हिंदी और साहित्य की भाषा हिंदी अपने हजार—हजार हाथों से विश्व मानव मूल्यों के टूटन

Ranchi University

को, मरती हुई संवेदना को रोक रखती है, तथा मानव के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाती है।

मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार राँची विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड की हिंदी पाठ्यक्रम समिति ने रूचि केन्द्रित (CBCS) सेमेस्टर पद्धति पर आधारित त्रि–वर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा एवं सामान्य कक्षाओं के लिए अपने पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय आत्मा की धरोहर, मानवीय मूल्यों एवं संवेदनाओं से परिपूर्ण ऐसी ही हिंदी भाषा एवं साहित्य के महत्वपूर्ण सन्दर्भों एवं हिस्सों को निर्धारित किया है।

स्नातक प्रतिष्ठा के विभिन्न सेमेस्टरों के लिए एक ओर जहाँ हिंदी साहित्य के इतिहास का आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक के विभिन्न खंडों को रखा गया है, वहीं उस काल खण्ड के महान कवियों, लेखकों एवं उनकी महत्वपूर्ण कृत्तियों को भी स्थान दिया गया है। इस पाठ्यक्रम में निबंध एवं व्याकरण के भी कुछ हिस्सों को अनिवार्य बनाया गया है।

प्रत्येक भाषा–साहित्य एवं देश का अपना इतिहास होता है। यह अनेक कालखंडों में विभाजित होता है। प्रत्येक कालखंड की अलग–अलग, अपनी–अपनी, परिस्थितियाँ होती हैं। राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक आंतरिक एवं बाह्य पर्यावरणीय आदि वातावरण होते हैं। इतिहास का अध्ययन इन्हीं प्राचीन भाषा–साहित्य, सभ्यता, संस्कृति आदि को जानने के लिए आवश्यक होता है वहीं, सृजनात्मक साहित्य मानवमूल्यों में अभिवृद्ध कर व्यक्ति को संवेदनशील बनाकर, उसमें भाषिक दक्षता प्रदान कररता है, सौन्दर्यबोध उत्पन्न करता है तथा देश की कामकाजी व्यवस्था के अनुकूल बनाता है। हिंदी आज न सिर्फ राष्ट्रीय गुणवता और संस्कार–संस्कृति की भाषा है वरन् विश्वग्राम की एक महत्ती रोजगारोन्मुख भाषा है जिसे जानने, समझने और अपनाने वालों की संख्या वैश्विक स्तर पर अव्वल है। हम आशा करते हैं कि हिन्दी एक दिन विश्व भाषा बनकर रहेगी –

dkfV&dkfV dBk dh Hkk"kk] tueu dh e[kfjr vfHkyk"kkA
fgUnh gS igpku gekjh] fgUnh ge lcdh ifjHkk"kkAA

ikB;Øe lfefr dS lnL;x.k

डॉ० विन्ध्यवासिनी नंदन पाण्डेय, डॉ० अरूण कुमार

डॉ० हीरानंदन प्रसाद, डॉ० मिथिलेश कुमार सिंह

डॉ० रामेश्वर साहु डॉ० नरेन्द्र झा

Mk0 tSxcgknqj ik.MS;
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
jkaph fo'ofo|ky;] jkaph
(झारखण्ड)।

Ranchi University

ikB;Øe dh :ijs[kk

CBCS

Semester - 1	CORE - 1	6 Credit	Total Credit
	CORE - 2	6 Credit	
	AEC - 1	2 Credit	20 Credits
	GE - 1	6 Credit	
Semester - 2	CORE - 3	6 Credit	
	CORE - 4	6 Credit	20 Credits
	AEC - 2	2 Credit	
	GE - 2	6 Credit	
Semester - 3	CORE - 5	6 Credit	
	CORE - 6	6 Credit	
	CORE - 7	6 Credit	26 Credits
	SEC - 1	2 Credit	
	GE - 3	6 Credit	
Semester - 4	CORE - 8	6 Credit	
	CORE - 9	6 Credit	
	CORE - 10	6 Credit	26 Credits
	SEC - 2	2 Credit	
	GE - 4	6 Credit	
Semester - 5	CORE - 11	6 Credit	
	CORE - 12	6 Credit	24 Credits
	DSE - 1	6 Credit	
	DSE - 2	6 Credit	
Semester - 6	CORE - 13	6 Credit	
	CORE - 14	6 Credit	24 Credits
	DSE - 3	6 Credit	
	DSE - 4	6 Credit	
		Total Credits	140 Credits

Ranchi University

CBCS

#fp vk/kkfjr lk[k i)fr

f=o"kh; ikB~;Øe

- 6 lsesLVjksa esa foHkDRk
- lEiw.k ikB~; dh dqy ØsfMV & 140
- dkj & vFkkZr~ vkulZ @ ifr"Bk
- Mh- ,l- bZ & fMfLifyujh] LifLkfQd byfDVo

- dkj & ifr"Bk 84 ØsfMV
- ,- bZ- lh- & ;kX;rk fodkl 04 ØsfMV flQZ lsesLVj 1+2 ds fy,
- th- bZ- & tsusfjd byfDVo 24 ØsfMV
- Mh- ,l- bZ- & fMfLifyujh] LifLkfQd byfDVo 24 ØsfMV
- Ldhy & dkS'ky fodkl 04 ØsfMV

Ranchi University

fo"k; fgUnh % lseLVj &1
e[;k'k ¼CORE½ ii=Bk &1 ØfMV &6

fgUnh lkfgR; dk bfrgkl ¼vkfndky½

bdkbZ&1 हिन्दी मे ंसाहित्येतिहास लखेन की परम्परा, साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख समस्याएँ, हिन्दी साहित्य मे ंकाल विभाजन और नामकरण की समस्या।

bdkbZ &2 आदिकाल का नामकरण और काल सीमा, आदिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य परम्परा तथा पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता।

bdkbZ&3 आदिकाल के कवि – चंदवरदायी, अमीर खुसरो, विद्यापति।

fu/kkZfjr ikB~; iqLrd & काव्य कुंज संपादक – डॉ0 विन्ध्यवासिनी नन्दन पाण्डेय
डॉ0 अरूण कुमार
डॉ0 मिथिलेश कुमार सिहं

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र (संपादक)
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि : डॉ0 मैनेजर पांडये
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य –उद्भव और विकास : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का आलाचेनात्क इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा
9. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
10. हिन्दी साहित्य का नया इतिहास : डॉ0 रामखेलावन पाण्डेय
11. हिन्दी साहित्य की रूपरेखा : डॉ जयनारायण मंडल
12. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुधेव सिहं
13. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ0 सभापति मिश्र
14. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 महेन्द्र किशोर
15. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 रणजीत सिंह

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होगें।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**
5. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vad**
dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

fo"k; fgUnh % leLVj &1
e[;k'k ¼CORE½ ifr"Bk &2 ØfMV &6

fgUnh lkfgR; dk bfrgkl%& HkfDrdky

bdkb&1 भक्ति आंदालेन की पृष्ठभूमि, भक्तिकाव्य का उद्भव एवं विकास,
भक्तिकाव्य की प्रवृत्तियाँ / विशेषताएं

bdkb &2 सतंकाव्य परम्परा, सूफी काव्य परम्परा, कबीर और जायसी।

bkdkb&3 कृष्णकाव्य परम्परा, राम काव्य परम्परा, सूरदास और तुलसीदास

fu/kkfjr ikB; iLrd & काव्य कुंज संपादक – डॉ0 विन्ध्यवासिनी नन्दन पाण्डेय
डॉ0 अरूण कुमार
डॉ0 मिथिलेश कुमार सिहं

dchj] lj] rqylh] tk;lh] ehjkckb vkj jl[kku dh dfork,A

vu'kfl r iLrd %&

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र (संपादक)
3. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुदेव सिंह
4. भक्तिकाव्य की भूमिका : डॉ0 प्रेमशंकर
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त
6. निर्गुण काव्य दर्शन : सिद्धिनाथ तिवारी
7. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : डॉ0 मैनेजर पाणडेय
8. साहित्य और इतिहास : डॉ0 सुखदा पाण्डेय
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
10. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिहं
11. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिहं
12. कबीर : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
13. सूरदास : डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
14. कबीर– एक नई दृष्टि : डॉ0 रघुवंश
15. जायसी – एक नई दृष्टि : डॉ0 रघुवंश
16. जाससी : विजयदेव नारायण साही
17. लोकवादी तुलसी : डॉ0 विश्वनाथ तिवारी
18. मीरा का काव्य : डॉ0 विश्वनाथ तिवारी
19. मीरा की भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन : भगवान दास तिवारी
20. तुलसी के भक्त्यात्मक गीत : डॉ0 वचनदेव कुमार
21. रामचरितमानस में अलंकार योजना : डॉ0 वचनदेव कुमार
22. भक्ति की प्रासंगिकता एवं गो0 तुलसी दास : डॉ0 लक्ष्मी सिंह

fun'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)

3. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होगें।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे— **10X1 = 10**
5. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vd foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dy vd	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vd**
dy	%	**100 vd**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

AEC - 1;kX;rk lao/kZu ikB;p;kZ ØfMV & 2
(ABILITY ENHANSMENT COURSE)

bdkbZ&1 fgUnh O;kdj.k vkSj jpuk]

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय
उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण।

bdkbZ &2 संप्रेषण की अवधारण और महत्व, संप्रेषण के लिए आवश्यक शर्तें, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण का माध्यम, संप्रेषण कला, संप्रेषण की तकनीक, वाचन कला, समाचार वाचन, साक्षात्कार कला,रचनात्मक लेखन का लक्ष्य, रचनात्मक लेखन का आधार, भाव और विचारों की प्रस्तुति, वाक् कला की उपयोगिता।

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. **ogr O;kdj.k HkkLdj** : डॉ0 वचनदेव कुमार
2. **vk/kqfud fgUnh O;kdj.k vkSj jpuk** : डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद
3. **O;ogkfjd fgUnh** : डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
4. **jpukRed ys[ku** % डॉ0 रमेश गौतम
5. **lEizs"k.kijd fgUnh Hkk"kk f'k{k.k** % डॉ0 वैश्ना नारंग
6. **'kSyh foKku** % डॉ0 सुरेश कुमार
7. **'kSyh foKku izfreku vkSj fo'ys"k.k** % डॉ0 पांडेय शशिभूषण ‘शीतांशु’
8. **“kSyh foKku dk bfrgkl** % डॉ0 पांडेय शशिभूषण ‘शीतांशु’

GE-1 सामान्यीकृत चयन (GENERIC ELECTIVE) क्रेडिट – 6

dyk vk|j lkfgR;

bdkb| &1 कला की अवधारणा, कला और साहित्य के अंतःसंबंध, भारतीय कला

bdkb|&2 कला और हिन्दी साहित्य के संबंध की परंपरा, लोक कला और साहित्य, साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व, भारतीय नाट्य कला।

vFkok

bdkb|&1 झारखण्ड में साहित्य लेखन की परम्परा, झारखण्ड में हिन्दी उपन्यास झारखण्ड में हिन्दी कहानी।

bdkb|&2 झारखण्ड में हिन्दी नाटक, झारखण्ड में हिन्दी व्यंग्य, झारखण्ड में हिन्दी कविता।

vu|'kfl r i|Lrd| %&

1. **lkfgR;ky|kpu** % डॉ0 श्यामसुंदर दास
2. **dyk** % हंस कुमार तिवारी
3. **dyk foospu** % डॉ0 कुमार विमल
4. **>kj[k.M dk fgUnh lkfgR;** : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
5. **dfr l|Ldfr d| 'kCn** : विद्याभूषण
6. **>kj[k.M dh Hkk"kkvk| dk ukV; lkfgR;** : डॉ0 कमल कुमार बोस
7. **fgUnh dFkk lkfgR; vk|j >kj[k.M** : डॉ0 अनामिका प्रिया

fun|'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होगें।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**
5. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

v|d foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
d|y v|d	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 v|d**
d|y	%	**100 v|d**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

lseLVj&2

eq[;k'k ¼CORE½ izfr"Bk &3 ØsfMV &6

हिन्दी साहित्य का इतिहास : **jhfrdky ,oa jhfrdkyhu dfork**

bdkbZ &1 रीतिकाल का नामकरण और कालसीमा, रीतिकाल की परिस्थितियाँ, रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ।

bdkbZ &2 रीतिबद्ध काव्यधारा, रीतिसिद्ध काव्यधारा, रीतिमुक्त काव्यधारा।

bdkbZ &3 jhfrdky ds dfo &चिन्तामणि, मतिराम, बिहारी, घनान्द, पद्माकर भूषण की कविताएं

fu/kkZfjr ikB~; iqLrd % स्वर्ण मंजूषा **laiknd** – नलिनविलोचन शर्मा, केशरी कुमार

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. **fgUnh lkfgR; dk bfrgkl** : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. **fgUnh jhfrdkO;** : डॉ0 भगीरथ मिश्र
3. **jhfrdkO; dh Hkwfedk** : डॉ0 नगेन्द्र
4. **fcgkjh dk u;k ewY;kadu** % डॉ0 बच्चन सिंह
5. **fcgkjh lrlbZ lathouh Hkk’;** % पदम सिंह शर्मा
6. **fcgkjh cksf/kuh** % लाला भगवान दीन
7. **fcgkjh jRukdj** % जगन्नाथ दास रत्नाकर
8. **jhfrdkO; dk u;k ewY;kadu** : डॉ0 जगदीश्वर प्रसाद
9. **fcgkjh lk/kuk'krh** : डॉ0 ओमप्रकाश
10. **fcgkjh Hkk’;** % प्रोफेसर वकील सिंह
11. **Äukuan dk dkO;** : डॉ0 रामदेव शुक्ल

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**
5. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न		:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		:	**10 X 1 = 10**
	dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन		:	**25 vad**
	dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

lseLVj&2

eq[;k'k ¼CORE½ iz'u i= &4 ØsfMV &6

fgUnh lkfgR; dk bfrgkl ¼ आधुनिककाल (भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग)

bdkbZ &1 आधुनिक काल की पीठिका, हिन्दी गद्य का विकास, भारतेन्दु का योगदान, 1857 का स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी नवजागरण।

bdkbZ &2 महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी उपन्यास और कहानी की परम्परा, हिन्दी एकांकी और नाटक की परंपरा, हिन्दी समीक्षा/आलोचना का उद्‌भव और विकास।

bdkbZ &3 आधुनिक हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद का स्वरूप और विशेषताएं, और उसके बाद की हिन्दी कविता, स्वातंन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता।

fu?kkZfjr ikB~; iqLrd&

1. पथिक – पं0 रामनरेश त्रिपाठी
2. काव्य वीथि – स0 डॉ0 विन्ध्यवासिनी नंन्दन पाण्डेय
   डॉ0 अरूण कुमार
   डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह

HkkjrsUnq gfj'pUnz ¼ सवैया और कवित।

eSfFkyh'kj.k xqIr ¼ यशोधरा।

t;'kadj izlkn ¼ भारत–महिमा, अरूण यह मधुमय देश हमारा, बीती विभावरी जाग री।

fujkyk ¼ भारती वंदना, मौन रही हार, तोड़ती पत्थर, हारता है मेरा मन,।

lqfe=kuanu iar ¼ सुख–दुख, नौका विहार, ताज, हिमाद्रि।

egknsoh oekZ ¼ विरह का जलजात जीवन, जो न प्रिय पहिचान पाती, सजल है कितना सवेरा।

vuq'kaflr iqLrdsa ¼&

1. **vk/kqfud fgUnh dk0; dh izo`fÙk;k¡** ¼ डॉ0 नामवर सिंह
2. **dfork ds u, izfreku** ¼ डॉ0 नामवर सिंह
3. **Nk;kokn** ¼ डॉ0 नामवर सिंह
4. **vk/kqfud fgUnh lkfgR; dk bfrgkl** : डॉ0 बच्चन सिंह
5. **fgUnh lkfgR; dk nwljk bfrgkl** ¼डॉ0 बच्चन सिंह
6. **fgUnh lkfgR; vkSj laosnuk dk fodkl** : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. **vk/kqfud fgUnh dfork** : डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. **HkkjrsUnq gfj'kpUnz** : डॉ0 रामविलास शर्मा
9. **Lkedkyhu fgUnh dfork** : डॉ0 ए. अरविन्दाक्षन
10. **dfo dh ubZ nqfu;k** : डॉ0 शंभुनाथ
11. **ifFkd lEiz;s vkSj leh{kk** : डॉ जंग बहादुर पाण्डेय

funs'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे— **10X1 = 10**
5. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न		:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		:	**10 X 1 = 10**
	dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन		:	**25 vad**
	dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

AEC -2 ;kX;rk lo/ku ikB;p;k ØfMV & 2

(ABILITY ENHANSMENT COURSE)

EVS **i;kZoj.k v/;;u**

bdkbZ &1 पर्यावरण क्या है ? , पर्यावरण और मानव जीवन, पर्यावरण अध्ययन की उपादयेता, पर्यावरण का क्षेत्र।

bdkbZ&2 पर्यावरण प्रदूषण, पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता, पर्यावरण संरक्षण के शासकीय प्रयास।

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1- **Ekkuo vf/kdkj vkSj i;kZoj.k lrryu** % डॉ0 हरिमोहन
2- **i;kZoj.k f'k{kk** % डॉ0 सुधा सिंह
3- **i;kZoj.k iznw"k.k** % डॉ0 गोपीनाथ तिवारी
4- **i;kZoj.k & leL;k vkSj lek/kku** % शिवानंद नौटियाल
5- **i;kZoj.k fodkl vkSj ;FkkFkZ** % ज्ञानेन्द्र रावत
6- **i;kZoj.k foe'kZ** % आई. एन. सिंह/डॉ0 बृजेश सिंह
7- **vkink izca/ku** % डॉ0 अरविन्द कुमार
8- **i;kZoj.k iznw"k.k & lekt] lkfgR; vkSj laLd`fr** % **l0** डॉ0विजय कुमार 'संदेश' % डॉ0. जंग बहादुर पाण्डेय

GE -2सामान्यीकृत चयन (GENERIC ELECTIVE) क्रेडिट – 6

vuqokn%

bdkbl &1 अनुवाद क्या है ?, अनुवाद के प्रभेद, अनुवाद का महत्त्व।

bdkbl &2 अनुवाद की समस्याएँ, अनुवाद की प्रक्रिया, अच्छे अनुवादक के गुण ।

vuq'kfl r iLrdi %&

1. **vuqokn foKku** : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2. **vuqokn dk lkef;d ifjis{k;** % **l0** दिलीप सिंह / प्रो0 ऋषभदेव शर्मा
3. **jk t xkjkfHkeq[k vuqokn foKku** % **l0** डॉ0 सुरेश माहेश्वरी
4. **vuqokn d fofo/k vk;ke** % डॉ0 राम गोपाल सिंह जादौन
5. **fgUnh vuqokn fl)Ur vkj i;kx** % डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद
6. **vuqokn fl)kr dh :ijs[kk** : डॉ0 सुरेश कुमार
7. **vuqokn 'kkL=** : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी (संपादित)
8. **vuqokn&fl)kr vkj leL;k** : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9. **vuqokn& fl)kUr vkj i;kx** % डॉ0 जी. गोपीनाथन
10. **vuqokn dh fofo/k leL;k,** % डॉ0 ओमप्रकाश गाबा
11. **vuqokn ifof/k** % स0 सूर्यप्रसाद दीक्षित, डॉ0 सत्यदेव मिश्र

funs'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**
5. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vad**
dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

vFkok

GE -2 सामान्यीकृत चयन (GENERIC ELECTIVE) क्रेडिट – 6

ik'pkR; nk'kfud fpru ,o fgUnh lkfgR;

bdkbl 1&अभिव्यंजनावाद, स्वच्छंदतावाद, अस्तित्ववाद स्वरूप एवं विशेषताएं

bdkbl 2& मनोविशलेषणवाद, मार्क्सवाद, आधुनितावाद स्वरूप एवं विशेषताएं

bdkbl 3& संरचनावाद, कल्पना, बिंब, फैंटेसी,मिथक एवं प्रतीक स्वरूप एवं विशेषताएं

vu'kfl r iLrd

1. **oLrfu'B dk0; "kkL=** : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
2. **ik'pkR; dk0; "kkL=** % आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. **dk0; iofÙk;k Hkkjrh; vkj ik'pkR;** % डॉ0 दीनानाथ सिंह
4. **Hkkjrh; dk0; fpru** % डॉ0 शोभाकान्त मिश्र
5. **lkk'pkR; dk0; fpru** % डॉ0 शोभाकान्त मिश्र
6. **vkykpuk vkj ifØ;k vkj Lo:i** % **l0** आनन्द कु0 दीक्षित
7. **Hkkjrh; ,o ik'pkR; dk0; fl)kr** % डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
8. **eukfo'ky'k.k vkj lkfgR;kykpu** % क. अहमद, देवेन्द्र नाथ शर्मा
9. **Hkkjrh; ,o ik'pkR; dk0; "kkL= rFkk fgUnh vkykpuk** % **Mk0** रामचन्द्र तिवारी
10. **fgUnh vkykpuk f'k[kj dk lk{kkRdkj** % **Mk0** रामचन्द्र तिवारी
11. **Vh- ,l- bfy;V vkj Dykfld** % डॉ0 पूर्णमासी राय
12. **ik'pkR; lkfgR; fl)kUr foopu** % डॉ0 ओमप्रकाश शर्मा
13. **ik'pkR;&leh{kk&fl)kr** % डॉ0 केशरी नारायण शुक्ल
14. **Hkkjrh; dk0;'kkL= ,o ik'pkR; lkfgR; fpru** %डॉ0 सभापति मिश्र
15. **lkfgR; vkj leh{kk** % डॉ0 गुलाब राय
16. **lkfgR; fl)kUr** : रेने वेलक, आस्टिन वारेन

funl'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vid foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dy vid	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vid**
dy	%	**100 vid**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

fo"k; fgUnh % l=k/k ¼lseLVj½ &3

eq[;k'k ¼CORE½ ifr"Bk &5 ØsfMV &6

Nk;koknksÙkjfgUnh dfork &

lkxfrokn] iz;ksxokn rFkk ubZ dfork % उद्भव, विकास, प्रवृत्तियां एवं समान्य परिचय

1. **fu/kkZfjr ikB~; iqLrd%dk0; ohfFk &lq0** डॉ0 विन्ध्यवासिनी नंन्दन पाण्डेय
   डॉ0 अरूण कुमार
   डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह

fu/kkZfjr dfork,¡ %

1. **fnudj** – वनफूलों की ओर, हिमालय का संदेश, मनुज का श्रेय।
2. **vKs;** – कालगी बाजरे की, नदी के द्वीप, एक सन्नाटा बुनता हूँ
3. **ukxktZqu** & 26 जनवरी, 15 अगस्त, स्वदेशी शासक।
4. **/kwfey** & लोहे का स्वाद, मोचीराम, मैं हूँ।
5. **loZs'oj n;ky lDlsuk** &नया वर्ष फिर आया, लीक पर वे चलें, युद्ध–स्थिति

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. **fnudj** : डॉ0 सावित्री सिन्हा (संपादक)
2. **v/kZukjh'oj fnudj** : डॉ0 कुमार विमल
3. **fnudj dh lkfgR; lk/kuk** % डॉ0 सतीश कुमार राय (संपादक)
4. **fnudj fparu& vuqfpraru** %डॉ0 सतीश कुमार राय (संपादक)
5. **vKs; dk dfo deZ** : रमेश चन्द्र शाह
6. **vKs; dk lalkj** % अशोक वाजपेयी
7. **dfork dh eqfDr** : डॉ0 नंदकिशोर नवल
8. **/kwfey dk dkO;** % डॉ0 चन्द्रभानु सोनवणे
9. **LokrU=;ksÙkj dfork dk LopjRu** % डॉ0 लक्ष्मी सिंह

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होंगे।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vad**
dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

fo"k; fgUnh % l eLVj &3

e[;k'k ¼CORE½ i fr"Bk &6 ØfMV &6

fgUnh dFkk lkfgR; & हिन्दी कहानी, उपन्यास, का उद्भव और विकास एवं हिन्दी के विविध कहानी आंदोलन।

fu/kkfjr ikB; iLrd %

1- xcu &प्रेमचन्द

2- jkxnjckjh &श्रीलाल शुक्ल

3- dFkk dt & डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय, डॉ0 हीरा नन्दन प्रसाद, डॉ0 रामेश्वर साहु

dQu	प्रेमचन्द
mlu dgk Fkk	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
vkdk'k nhi	जयशंकर प्रसाद
rkbl	विशम्भर नाथ शर्मा कौशिक
dkjok dk or	यशपाल
iRuh	जैनेन्द्र कुमार
rhljh dle	फणीश्वर नाथ रेणु
"kj.knkrk	अज्ञेय
okil h	उषा प्रियंवदा
fnYyh e ,d ekr	कमलेश्वर
ifjUn	निर्मल वर्मा

vu'kfl r iLrd %&

1- fgUnh dgkuh dk bfrgkl : डॉ0 मधुरेश

2- fgUnh dgkuh dk bfrgkl : डॉ0 गोपाल राय

3- fgUnh dgkuh d lk o"k : डॉ0 वेदप्रकाश अमिताभ

4- fgUnh dgkuh d lk o"k : डॉ0 दीनानाथ सिंह

5- jkxnjckjh dk egRo % डॉ0 मधुरेश (संपादित)

6- jkxnjckjh iueY;kdu : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी (संपादित)

fun'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होंगे।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vd foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dy vd	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vd**
dy	%	**100 vd**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

lseLVj&3

e[;k'k ¼CORE½ ifr"Bk &7 ØfMV &6

हिन्दी नाटक और अन्य गद्य विधाएँ –

fu/kkfjr iLrd ¼&

1- **Hkkjr&nn'kk** ½ भारतेन्दु हरिश्चन्द
2- **fucU/k dat** : **l0** डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
डॉ हीरा नंन्दन प्रसाद
डॉ0 नरेन्द्र झा

lkfgR; dh egÙkk : महावीर प्रसाद द्विवेदी
**dfork D;k g ** : रामचन्द्र शुक्ल
uk[kqu D;ks c<rs g : हजारी प्रसाद द्विवेदी
Bdqjh ckck : महादेवी वर्मा
lnkpkj dk rkcht : हरिशंकर परसाई
yky duj dk Qy : धर्मवीर भारती
m|e vkSj eukjFk : पं छविनाथ पाण्डेय
xgw vkSj xqykc : रामवृक्ष बेणीपुरी
jk"Vª dk Lo:i : डॉ0 वासुदवे शरण अग्रवाल
rqe dc tkvksx vfrfFk : शरद जोशी
lPph ohjrk : सरदार पूर्ण सिंह

vu'kfIr iLrd ¼&

1- **Hkkjr nnq'kk & lfoonuk vkSj f'kYi** : डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
2- **Hkkjr nnq'kk dk u;k eY;kadu** : डॉ0 जंग बहादूर पाण्डेय (संपादित)
3- **HkkjrUnq gfj'kpUn** ½ डॉ0 रामविलास शर्मा
4- **HkkjrUnq d ukVd** : डॉ0 भानुदेव शुक्ल
5- **Xk| dh ubZ fo|kvksa dk fodkl** ½ डॉ0 काजदा असर
6- **lkfgfR;d fo/kk,a &i;ufopkj** ½ डॉ0 हरिमोहन
7- **fgUnh dh ubZ fo/kk,a** ½ डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया

funs'k ½

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**
प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu ½

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vad**
dqy	½	**100 vad**

ukV ½ 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

dk"ky fodkl ikB;p;k

(Skill Enhancement Course) क्रेडिट – 6

jfM;ks ys[ku&

bdkbZ &1 श्रव्य माध्यम के रूप में रेडियो, रेडियो लेखन का महत्व, रेडियो लेखन की विधाएँ।

bdkbZ &2 रेडियो वार्ता, रेडियो नाटक, रेडियो साक्षात्कार, अन्य विधाएँ।

bdkbZ &3 iz;ksfxd dk;Z

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. **jfM;ks okrkZf'kYi** : डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
2. **jfM;ks ukVd dh dyk** : डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
3. **JO; n`"; ek/;e ys[ku** : डॉ0 राजेन्द्र मिश्र
4. **jpukRed ys[ku** : डॉ0 रमेश गौतम
5. **JO; n`"; ek/;e & dyk ,oa rduhd** % डॉ0 गौरी शंकर रैना
6. **jfM;ks ukVd ys[ku** % डॉ0 उषा सक्सेना

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vad**
dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

GE **lkekU;hdr p;u**¼Generic elective½ क्रेडिट – 2

d- lkfgR; vkSj i=dkfjrk

साहित्य और पत्रकारिता का सम्बन्ध, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, साहित्यिक पत्रकारिता की अवधारणा, साहित्यिक पत्रकारिता का उद्देश्य, साहित्यिक पत्रकारिता का भविष्य।

vuq'kaflr iqLrdsa%&

1. **i=dkfjrk dh fofo/k lanHkZ** : डॉ0 वंशीधर लाल
2. **lkfgR; vkSj i=dkfjrk** : डॉ0 चन्द्रकान्त मेहता
3. **lkfgfR;d i=dkfjrk** : डॉ0 ज्योतिष जोशी
4. **fgUnh i=dkfjrk dk ledkyhu foe"kZ** : डॉ0 शिवनरायण
5. **fgUnh i=dkfjrk& Lo:Ik vkSj lanHkZ** % डॉ0 विनोद गोदरे
6. **i=dkfjrk vkSj lkfgR;** % क्षमा शर्मा

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न		:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		:	**10 X 1 = 10**
	dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन		:	**25 vad**
	dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

lseLVj& 4

मुख्यांश (CORE) प्रतिष्ठा – 8 क्रेडिट – 6

Hkk'kk foKku &

bdkbl &1 भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ/विशेषताएं, भाषा के अंग, भाषा और बोली में अंतर, भाषाओं का वर्गीकरण, भाषा अध्ययन की दिशाएँ।

bdkbl&2 भाषाविज्ञान की शाखाएँ, ध्वनि परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन, पद और वाक्य,देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास, लिपि का महत्त्व।

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. **Hkk'kk foKku dh Hkwfedk** : देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. **Hkk'kk foKku** : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
3. **Hkk'kk foKku dh :ijs[kk** : डॉ0 हरिश शर्मा
4. **Hkk'kk foKku vkSj Hkk'kk dk fl)kar** : डॉ0 जितराम पाठक
5. **vk/kqfud Hkk'kk foKku** % डॉ0 राजमणि शर्मा
6. **Hkk'kk foe”kZ** % डॉ0 पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु
7. **fgUnh Hkk"kk dk fodkl** : डॉ0 गोपाल राय

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vad**
dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

lseLVj& 4

e[;k”k ¼CORE½ ifr’Bk & 9   ØfMV & 6

fgUnh Hkk’kk vkSj ukxjh fyfi

bdkbZ &1 हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, हिन्दी की बोलियाँ, राष्ट्रभाषा हिन्दी, राजभाषा हिन्दी, विश्व भाषा हिन्दी, राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अंतर।

bdkbZ &2 नागरी लिपि का विकास, नागरी लिपि की वैज्ञानिकता, नागरी लिपि की समस्याएँ, नागरी लिपि में सुधार।

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. **fgUnh Hkk’kk dk fodkl** : देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. **fgUnh Hkk’kk vkSj ukxjh fyfi** : देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. **fgUnh Hkk’kk dk Lo:i fodkl** : डॉ0 अवधेश्वर अरूण
4. **nsoukxjh fyfi vkSj jktHkk’kk fgUnh** : डॉ0 रमेशचन्द्र
5. **fgUnh Hkk’kk vkSj ukxjh fyfi** % डॉ0 नरेश मिश्र
6. **fgUnh vkSj mldh cksfy;k¡** % डॉ0 शम्भूनाथ राणा

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघुतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न		:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		:	**10 X 1 = 10**
	dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन		:	**25 vad**
	dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

lseLVj& 4

मुख्यांश (CORE) प्रतिष्ठा – 10 क्रेडिट – 6

iz;kstuewyd fgUnh &

bdkbZ &1 प्रयोजनमूलक भाषा क्या है?, भाषा प्रयुक्ति के विविध रूप, प्रयोजनमूलक हिन्दी की
विभिन्न दिशाएँ, प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रासंगिकता।

bdkbZ &2 प्रशासनिक हिन्दी, व्यावसायिक हिन्दी, जनसंचार माध्यमों की हिन्दी, तकनीक हिन्दी, संविधान में हिन्दी की स्थिति, राष्ट्रभाषा हिंदी की दशा और दिशा।

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. **iz;kstuewyd fgUnh** : विनोद गोदरे
2. **iz;kstuewyd fgUnh** : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3. **iz;kstuewyd fgUnh** : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
4. **iz;kstuewyd fgUnh** : डॉ0 कुमल कुमार बोस
5. **iz;kstuewyd fgUnh** % डॉ0 मुश्ताक अहमद
6. **iz;kstuewyd fgUnh** % डॉ0 दंगल झाल्टे
7. **O;ogkfjd fgUnh** : डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vad**
dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

SEC-II dk”ky fodkl ikB;p;k

(Skill Enhancement Course) क्रेडिट – 6

dk;kZyh; fgUnh &

bdkbZ &1 कार्यालय में हिन्दी प्रयुक्ति का महत्व, कार्यालीय पत्राचार, टिप्पण, प्रारूपण।

bdkbZ &2 कार्यालीय हिन्दी की अन्य प्रयुक्तियाँ – ज्ञापन, अनुस्मारक, अधिसूचना, विज्ञापन, निविदा, पृष्ठांकन।

bdkbZ&2 कार्यालीय हिन्दी की प्रायुक्तियों का अभ्यास, पत्राचार लेखन।

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. **dk;kZy;ksa esa fgUnh dk iz;ksx** : डॉ0 गोपीनाथ श्रीवास्तव
2. **dk;kZy;h u fgUnh** : डॉ0 किशोरीलाल वर्मा
3. **vuqiz;qDr jktHkk’kk** : डॉ0 मणिक मृगेश
4. **iz”kklfud fgUnh** : डॉ0 पी. पी. आंडाल
5. **jktHkk’kk fgUnh** % डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
6. **jktHkk’kk fgUnh** % डॉ0 इकबाल अहमद
7. **iz;kstuewyd fgnh** : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
8. **0;kogkfjd fgUnh** : डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न		:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		:	**10 X 1 = 10**
	dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन		:	**25 vad**
	dqy	%	**100 vad**

नोट : 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

GE V- **lkekU;hdr p;u** क्रेडिट – 6

jpukRed y{ku dh fo/kk,¡ %&

bdkbZ &1 कविता के विविध रूप – प्रबन्ध काव्य, खण्ड काव्य, चम्पू काव्य, मुक्तक काव्य, गीत, गजल, छंद, लय और तुक

bdkbZ &2 नाटक के विविध रूप – पूर्णकालिक नाटक, एकांकी, काव्य नाटक, रंगमंच।

bdkbZ &3 उपन्यास और कहानी– लघुकथा और व्यंग्य, आत्मकथा और जीवनी, संस्मरण और

यात्रावृतांत, डायरी और पत्र लेखन।

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. **okXe; foe'kZ** : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. **lkfgfR;d fo/kk,¡ & iqufoZpkj** : डॉ0 हरिमोहन
3. **fgUnh dh ubZ fo/kk,¡** : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
4. **lkfgR;kykspu** : श्यामसुन्दर दास
5. **lkfgR; lgpj** : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. **fo/kkvksa dk foU;kl** % अनन्त विजय
7. **lkfgfR;d fo/kk,¡ &l)kfUrdi{k** % मधु धवन

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vad**
dqy	%	**100 vad**

uksV % 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

leLVj& 5

e[;k”k ¼CORE½ ifr’Bk & 11 ØfMV & 6

Hkkjrh; dk0;”kkL=&

bdkbl&1 काव्य की परिभाषा, काव्य के लक्षण, काव्य की आत्मा, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु।

bdkbl &2 काव्य गुण, काव्य दोष, रस और उसक भेद, अलंकार की परिभाषा, अलंकारों का महत्व, ध्वनि।

bdkbl &3 चयनित अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उमपा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिशयोक्ति, वक्रोक्ति, दीपक, संकर, विभावना, विशेषोक्ति।

vu|”kflr iqLrdsa %&

1- **vyadkj eqDrkoyh** % देवेन्द्र नाथ शर्मा
2- **dk0;”kkL=** % डॉ0 भगीरथ मिश्र
3- **dk0;”kkL=** % डॉ0 कृष्णा रैना
4- **oLrfu’B dk0;”kkL=** % डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
5- **Hkkjrh; dk0; fpUru** % डॉ0 शोभाकान्त मिश्र
6- **dk0; ds rRo** % आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
7- **dk0; iznhfidk;k Hkkjrh; vkj ik'pkR;** : डॉ0 दीनानाथ सिंह
8- **Hkkjrh; ,oa ik'pkr; dk0;'kkL=** : डॉ0 सभापति मिश्र

funs'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vad**
dqy	%	**100 vad**

ukV % 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

lsesLVj& 4

e[;k”k ¼CORE½ iz'u i=&11 ØsfMV & 6

ik”pkR; dk0;”kkL=&

bdkbZ &1 प्लेटो की काव्य धारणा, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त,
लोंजाइन्स की उदात्त धारणा, कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

bdkbZ &2 आई0 ए0 रिचर्ड्स की मान्याताएं, टी. एस. इलियट की अवधारणाएँ, सम्प्रेषण, मनोविश्लेषण, बिम्ब, प्रतीक, मिथक सम्बन्धी विचारधाराएँ।

vuq”kafl r iqLrdsa %&

1- **ik”pkR; dk0;”kkL=** % देवेन्द्र नाथ शर्मा
2- **ik”pkR; dk0;”kkL=** % डॉ0 निर्मल जैन
3- **oLrqfu’B dk0;”kkL=** % डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
4- **ik”pkR; dk0;”kkL=** % डॉ0 सत्यदेव मिश्र
5- **ik”pkR; dk0;n”kZu** % डॉ0 शंकर मुनि राय
6- **ik”pkR; dk0; fpUru** % डॉ0 करूणा शंकर उपाध्याय।
7- **dk0; izofÙk;ka Hkkjrh; vkSj ik'pkR;** : डॉ0 दीनानाथ सिंह
8- **Hkkjrh; ,oa ik'pkr; dk0;'kkL=** : डॉ0 सभापति मिश्र

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे— **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न		:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		:	**10 X 1 = 10**
	dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन		:	**25 vad**
	dqy	%	**100 vad**

uksV % 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

DSE -1, vu|”kk lfud fof”k’V p;u ØfMV 6

¼Discipline Specific Elective½

fu/kkfjr i|Lrd: &

x|i & , ¼& l|jnkl

इकाई – 1 सूरदास – जीवन और दर्शन।
इकाई – 2 सूरदास का रचना संसार।
इकाई – 3 भ्रमरगीत सार (पद 1 से 21 तक)

(**Hkejxhr lkj** – सं0 रामचन्द्र शुक्ल)

अथवा

ग्रुप बी :– **r|ylhnkl**
bdkbl & 1 तुलसीदास – जीवन और दर्शन, तुलसीदास का रचना संसार।
bdkbl & 2 रामचरितमानस (केवल सुंदरकांड)
bdkbl & 3 विनय पत्रिका (पद 1 से 21 तक)
bdkbl & 4 कवितावली (उत्तरकांड)

(**r|ylhnkl** – सं0 रामचन्द्र शुक्ल)

vu|”kfl r i|Lrd: &

1. **Hkejxhr lkj** : सं0 रामचन्द्र शुक्ल
2. **l|jlkxj** ¼ डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
3. **dchj & ,d ub nf’V** : रघुवंश
4. **dchj** : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. **dchj dh dfork vkj mudk le;** : डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल
6. **l|j lkfgR;** : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. **fgUnh HkfDrdk0; vkj l|jnkl** : डॉ0 किशोरीलाल
8. **l|j dh dk0; psruk** : डॉ0 बलराम तिवारी
9. **r|ylh d HkDR;kRed xhr** : डॉ0 बच्चनदेव कुमार
10. **r|ylh** : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी (संपादित)
11. **ykdoknh r|ylh nkl** : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी

fun|'k ¼

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vd foHkktu ¼

1. आलोचनात्मक प्रश्न : **15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न : **10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : **10 X 1 = 10**

d|y vd : **75** अंक

3. आंतरिक मूल्यांकन : **25 vd**

d|y ¼ **100 vd**

ukV ¼ 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

DSE- 2 **vu|”kkIfud fof”k’V p;u** **ØfMV 6**

¼Discipline Specific Elective½

dchj nkl &

xi , ¼& dchj

bdkbZ & 1 कबीर – जीवन और दर्शन।

bdkbZ & 2 कबीर का रचना संसार।

bdkbZ & 3 कबीर (पद 1 से 21 तक)

(**dchj** – आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी)

vu|”kfIr iLrdsa ¼&

1- **dchj** : डॉ0 श्यामसुंदर दास
2- **dchj & ,d ubZ nf’V** : रघुवंश
2- **dchj** : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
3- **dchj dh dfork vkSj mudk le;** : डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल
4- **vdFk dgkuh izse dh** ¼ डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल

vFkok

**xi ch ¼& lw;ZdkUr f=ikBh ^fujkyk*
**

bdkbZ & 1 fनराला – जीवन और दर्शन।

bdkbZ & 2 निराला का रचना संसार।

bdkbZ & 3 निराला कविताएं – सखि, वसन्त आया, जुही की कली, जागो फिर एक बार, बादल–राग, वर दे वीणावादिनी वर दे, भारती जय विजय करे, तोड़ती पत्थर, मौन रही हार, स्नेह–निर्झर बह गया है, गहन है यह अंधकार।

(jkxfojkx ¼ MkW0 jkefoykl 'kekZ½

bdkbZ & 4 बिल्लेसुर बकरिहा : **fujkyk**

vu|'kfIr iLrd &

1- **fujkyk dh lkfgR; lk/kuk** ¼ डॉ0 रामविलास शर्मा
2- **egkdfo fujkyk** : डॉ0 बच्चन सिंह
3- **fujkyk dk miU;kl** : डॉ0 सूर्य प्रकाश दीक्षित
4- **fujkyk vkykspdk dh nf"V esa** : डॉ0 बचनदेव कुमार
5- **fujkyk dh x|Hkk"kk** : डॉ0 किरण कुमारी
6. **fujkyk&lkfgR; esa lkekftd psruk** ¼ डॉ0 प्रमिला कुमारी

funsZ'k ¼

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu ¼

1. आलोचनात्मक प्रश्न		:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		:	**10 X 1 = 10**
	dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन		:	**25 vad**
	dqy	¼	**100 vad**

ukV % 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

lseLVj&6

e|[;k'k ¼CORE½ ifr"Bk &13 ØfMV &6

fgUnh leh{kk

bdkbl&1 हिन्दी समीक्षा का उद्भव और विकास, हिन्दी में शास्त्रीय समीक्षा, हिन्दी में स्वच्छन्दतावादी समीक्षा, हिन्दी में मार्क्सवादी समीक्षा।

bdkbl&2 राचन्द्र शुक्ल, डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे बाजपेयी, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 रामविलास शर्मा, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 नामवर सिंह – का योगदान।

vu|'kfIr iLrdi %&

1. **fgUnh vkykpuk** : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी।
2. **fgUnh vkykpuk dk fodkl** : डॉ0 नंदकिशोर नवल
3. **oLrfu'B dk0;"kkL=** : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
4. **fgUnh vkykpuk & chlohi "krkCnh** : डॉ0 रेवती रमण
5. **fgUnh vkykpuk & ledkyhu ifjn";** : डॉ0 कृष्णादत्त पालीवाल
6. **fgUnh vkykpuk & f"k[kjk dk lk{kkRdkj** : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी।

funs'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vid foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dly vid	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vid**
dly	%	**100 vid**

ukV % 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

lseLVj&6
e[;k'k ¼CORE½ ifr"Bk &14 ØfMV &6

fo”oHkk’kk fgUnh

bdkbZ &1 राष्ट्रभाषा से विश्वभाषा की ओर हिन्दी, विश्वभाषा की शर्तें, संसार की भाषाओं के बीच हिन्दी की स्थिति, विश्वभाषा के रूप में हिन्दी की प्रगति।

bdkbZ &2 भूमण्डलीकरण का महत्त्व, भाषिक भूमण्डलीकरण की आवश्यकता, हिन्दी भाषा का भूमण्डलीकरण, हिन्दी का वैश्विक भविष्य, हिन्दी की दशा एवं दिशा।

vuq'kaflr iqLrdsa %&

1. **fgUnh vrhr ls vkt rd** : डॉ0 विजय अग्रवाल
2. **Hkwe.Myhdj.k vkSj fgUnh** : डॉ0 माणिक मृगेश
3. **fgUnh Hkk’kk dk Hkwe.Myhdj.k** : डॉ0 सुषम बेदी
4. **fo”o cktkj esa fgUnh** : डॉ0 महीपाल सिंह
5. **Hkk’kkbZ vfLerk vkSj fgUnh** : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. **fo”oiVy ij fgUnh** : डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित

funsZ'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	**10 X 1 = 10**
dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन	:	**25 vad**
dqy	%	**100 vad**

uksV % 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

DSE-III **vu”kk lfud fof”k’V p;u** **ØfMV &6**

(Discipline Specific Elective)

ykd lkfgR;

bdkbZ & 1 लोकसाहित्य के परिभाषा एवं स्वरूप, लोकसंस्कृति अवधारणा, लोकसाहित्य और संस्कृति, लोकसाहित्य के संकलन की समस्याएं।

bdkbZ & 2 लोकसाहित्य के प्रमुख रूप, लोकगीत, लोक नाट्य, लोक कथा, लोकगाथा, लाकोक्ति।

bdkbZ & 3 izfl) ykdxkFkk,a %& ढोला मारू, गोपीचन्द भरथरी, लोरिकायन, नल दमयन्ती, लैला मजनू, हीरा राँझा, सोहनी महीवाल।

vuq'kafIr iqLrdsa %&

1. **ykd lkfgR; dh Hkwfedk** : डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
2. **ykd lkfgR; vkSj fofo/k vk;ke ,oa ubZ nf"V** : डॉ0 जयश्री गावीत
3. **ykdlkfgR; %izfl)kar vkSj iz;ksx** : डॉ0 श्रीराम शर्मा
4. **ykdlkfgR; foKku** : डॉ0 सत्येन्द्र
5. **ykdlkfgR; dh fl)kUr vkSj Hkkstiqjh yksd[kku** : डॉ0 आद्याप्रसाद द्विवेदी

vFkok

fgUnh dh jk"Vªh; dkO;/kkjk %&

bdkbZ & 1 राष्ट्रीय काव्यधारा का उद्भव और विकास, राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएं।

bdkbZ & 2 मैथिलीशरण गुप्त, सियाराम शरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, सोहनलाल द्विवेदी का जीवनवृत्त एवं रचना संसार।

bdkbZ & 3रामधारी सिंह दिनकर, श्यामनारायण पाण्डेय, सुभद्रा कुमारी चौहान का जीवन वृत्त और रचना संसार।

bdkbZ & 4उपर्युक्त कवियों की चुनी हुई प्रतिनिधि राष्ट्रीय कविताएं।

ikB; iqLrd &

fgUnh dh jk"Vªh; dkO;/kkjk **% l0** डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय, डॉ0 हीरानन्दन प्रसाद

vuq'kafIr iqLrdsa %&

1- **eSfFkyh'kj.k xqIr ,d iquewY;kadu** % डॉ0 नगेन्द्र
2- **xqIr th dh dkO; lk/kuk** % डॉ0 उमा कान्त
3- **fl;kjke 'kj.k xqIRk O;fDrRo vkSj d`frRo** % डॉ0 शिव प्रसाद मिश्र
4- **MkO fl;kjke 'kj.k xqIr** % डॉ0 नगेन्द्र
5- **eSfFkyh 'kj.k xqIr dh lkfgR; dk lkaLd`fr v/;;u** % डॉ0 मुन्नीलाल जायसवाल
6- **fnudj dh lkfgR; lk/kuk** % डॉ0 सतीश कुमार राय
7. **fnudj % fpUru&vuqfpUru** % **l0** डॉ0 सतीश कुमार राय
8- **fnudj dk x| lkfgR;** % डॉ0 प्रेमनाथ उपाध्याय
9- **;qxpkj.k fnudj** % **l0** डॉ0 सावित्री सिन्हा
10- **laLd`fr ds pkj v/;k;** % रामधारी सिंह दिनकर
11- **';keukjk;.k ik.Ms; dh lkfgR; lk/kuk** % डॉ0 राम सिंहासन प्रसाद शर्मा
12- **ek[kuyky ,d v/;;u** % श्री नर्मदा प्रसाद खरे, श्री इन्द्र बहादुर खरे
13- **ek[kuyky prqosZnh** % श्री रामाधर शर्मा

14- vk/kfud dfo ¼17½ ½ श्यामनारायण पाण्डेय
15- feyk rkt lk rkt ½ सुधा चौहान

funsZ'k ½

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu ½

1. आलोचनात्मक प्रश्न		:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		:	**10 X 1 = 10**
	dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन		:	**25 vad**
	dqy	½	**100 vad**

uksV ½ 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

DSE IV अनुशासनिक विशिष्ट चयन क्रेडिट –6

(Discipline Specific Elective)

x|i , %& lkfgR; d| u;| foe"k|

bdkb| & 1 अस्मिता केन्द्रित विमर्श की अनिवार्यता, हिन्दी में अस्मिता केन्द्रित विमर्श का स्वरूप हिन्दी में दलित विमर्श, हिन्दी में नारी विमर्श, हिन्दी में जनजातीय विमर्श, हिन्दी में स्त्री लेखन की परंपरा और विकास, स्त्री आत्मकथा का वैशिष्ट्य।

bdkb| &2 हिन्दी में बाल विमर्श, हिन्दी में वृद्ध विमर्श, हिन्दी में विकलांग विमर्श, हिन्दी के प्रमुख दलित लेखक, अस्मिता केन्द्रित विमर्श का भविष्य ।

bdkb| &3 nfyr vkRedFkk,|

जूठन	:	ओम प्रकाश वाल्मीकि
मुर्दहिया, मणिकर्णिका	:	तुलसी राम
एक कहानी यह भी	:	मन्नू भंडारी
शिकंजे का दर्द	:	चन्द्रकिरण सौनरेक्सा

vu|'kf lr i|Lrd| %&

1- **L=h foe"k| dk dkyt;h bfrgkl** : संजय गर्ग (संपादित)
2- **L=h foe"k| dh mÙkj xkFkk** : डॉ0 अनामिका
3- **L=h ef|Dr& l|Ä'k| vk|j bfrgkl** : रमणिका गुप्ता
4- **vkfnoklh vfLerk dk l|dV** : रमणिका गुप्ता
5- **vkfnoklh foe"k| vk|j fg|Unh lkfgR;** : डॉ0 कुमार वीरेन्द्र
6- **foe"k| d| i|l|x** : डॉ0 संपदा पांडेय
7- **foe"k| d| fofo/k vk;ke** % डॉ0 अर्जुन चह्वाण
8- **nfyr lkfgR; & vu|Hko] l|Ä'k| ,o| ;FkkFk|** % डॉ0 आमप्रकाश वाल्मिकि
9- **nfyr psruk dh igpku** % डॉ0 सूर्यनारायण रणसुभे

vFkok

x|i ch %& i|epUn

bdkb| & 1 प्रेमचन्द का जीवन वृत एवं रचना संसार।

bdkb| &2 प्रेमचन्द की रचनाओं में यथार्थ और आदर्श, कथा सम्राट प्रेमचन्द।

bdkb| &3 प्रेमचन्द के उपन्यासों का वैशिष्ट्य, प्रेमचन्द का कहानियों का वैशिष्ट्य।

ikB; i|Lrd %&

xcu	%	प्रेमचन्द
fue|yk	%	प्रेमचन्द
i|epUn dh J|"B dgkfu;k|	%	**l|0** डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय डॉ0 हीरानन्दन प्रसाद डॉ0 नीरज कुमार

कफन, पंच–परमेश्वर, बूढ़ी काकी, नमक का दारोगा, शतरंज के खिलाड़ी, ईदगाह, पूस की रात, ठाकुर का कुआँ, परीक्षा, सद्गति, मोटेराम जी शास्त्री।

vu|'kfl r i|Lrd %&

1- xknku% v/;;u dh leL;k,a % डॉ0 गोपाल राय

2- xknku xo"k.kk % कपिलदेव सिंह, पद्मनारायण, निशांत केतु

3- xknku% lonuk vkj f'kYi % डॉ0 चन्द्रेश्वर कर्ण

4- xknku % eY;kdu vkj eY;kdu % डॉ0 इन्द्रनाथ मदान

5- xknku dk egRp % डॉ0 सत्यप्रकाश मिश्र

6- i=dkj iepUn vkj gal % डॉ0 रत्नाकर पाण्डेय

7- iepn foe'k % डॉ0 सतीश कुमार राय

7- iepUn v/;;u dh u;h fn'kk,a % डॉ0 कमल किशोर गोयनका

8- iepUn vkj 'krjat dk f[kykMh % डॉ0 कमल किशोर गोयनका, डॉ0 लोठार लुत्से

9- iepUn dk miU;klka dk xk.k ik= % डॉ0 कुमारी मनीषा

10- iepUn dh dkyt;h dgkfu;ka ikB vkj ikBfxdrk % डॉ0 पुष्पलता कुमारी

funs'k %

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छः प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (**15X3= 45**)
3. लघूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (**10X2 = 20**) अंकों में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– **10X1 = 10**

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

vad foHkktu %

1. आलोचनात्मक प्रश्न		:	**15 X 3 = 45**
2. लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	**10 X 2 = 20**
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न		:	**10 X 1 = 10**
	dqy vad	:	**75** अंक
3. आंतरिक मूल्यांकन		:	**25 vad**
	dqy	%	**100 vad**

ukV % 10+10+5 =25 (तीन आंतरिक परीक्षाओं में दो के सर्वोत्तम अंक तथा 5 अंक उपस्थिति पर।

ikB;Øe lfefr dk lnL;x.k

डॉ0 विन्ध्यवासिनी नंदन पाण्डेय, डॉ0 अरूण कुमार

डॉ0 हीरानंदन प्रसाद, डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह

डॉ0 रामेश्वर साहु डॉ0 नरेन्द्र झा

डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
jkaph fo'ofo|ky;] jkaph
(झारखण्ड)।